ऊलग जुओ उलग **जलगइ** जुओ उलगइ फलट जुओ उलट **फलटभेद *** अखाका. [मनना उमळकारूपी मर्म - युक्ति] **ऊलटमान** कादं(शा). ऊभरातुं **फलदवं** * नरका. जित्साहित थवं, आनंदित थवं]; वीसरा. ऊभरावं [प्रा.उल्लह-] **फलडड** *उक्तिर*. फेंकी दे, नष्ट करे (दे.उल्लंड) **ऊलतु** कादं(शा) अळतो, लाखनो रंग (सं. अलक्तकः) कललियइ जुओ उललियै **ऊलवइ** जुओ उलवइ कलवें जुओ उलवे **फलसो** देवरा, उल्लस्यो, ऊछळ्यो, ऊभरायो फलंच जुओ उलंच **कलंभडउ** जुओ उलंभडउ **ऊलंभु** जुओ उलंभउ **ऊतिखर** जुओ ऊलखर **ऊवट** जुओ उवट जबटइ उक्तिर. अंगलेप करे (सं.उद्वर्त्तयति) **ऊवटणउ** जुओ उबटणुं **जवट्टहं** कृष्णच. आडवाटे; जुओ उवट **जवरथड़** नलरा. व्यर्थ करे, [खोटुं पाडे, उथापे] (*सं.उद्+व्यर्थ) **ऊवरि** जुओ उवरि **जवर्यर** जुओ जबर्यर **जवलइ** अंबरा. [पाछुं वळे], दूर थाय [सं.उद्दवलित]; जुओ उवली

ऊवस श्रंगामं. उज्जड (दे.उव्वस) [सं. उद्ध्वस]; जुओ उद्वस **ऊवेजड** प्रबोप. उद्धेग करे (सं.उद्धेजयति) **जवेढइ** उक्तिर. छोडे, जुदुं करे (सं.उद्वेष्टते) जबद्द, जसद्द उपवा. प्रबोप्र. विक्ररा. षडाबा. औषध **ऊषर** जुओ उषर **ऊस** गुर्जरा. बळद (सं.ऋषभ) कसघ जुओ ऊषध **ऊसनउ** उपवा. विनष्ट; क्षीण; भ्रष्ट (सं. उत्सन्न): *गुर्जरा. [*क्षीण, *खिन्न] [*सं.अवसन्न]; नलरा. विमप्र. क्षीण • थयेल. बरबाद थयेल कसर जुओ उसर **ऊसरइ** जुओ उसरइ **ऊसरीइ** अभिऊ. ओसरे, खसी जाय (सं.अप+स्) **ऊसलसीधुं** *उक्तिर*. [?] (सं.उल्लासित-संधिकम् के उत शलंधं) **ऊससइ** जुओ उससइ **ऊसारइ** लावल. उपाडे, [दूर करे] (सं.उत् +स-) **ऊसास** जुओ उसास **फिसय *** प्राचीसं. [-थी व्याप्त, -मां रोकायेलुं] [सं.उत्सत] **ऊसीसउं** जूओ उसीसउं **ऊस** पडाबा. ओस, झाकळ (सं.अवश्या, अवश्याय) **ऊहटइ** अंबरा. दूर जाय [सं.अपघट्ट]

जहाडउ उक्तिर. आंचळ (*सं.ऊधस्)

ऊवलतउ उक्तिर, पाछो वळतो (सं.उद्घलन्)